पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून बुधवार 22 जुलाई 2020 पेज 8

सीएम फिल्म निर्माता निर्देशक विशाल भारद्वाज से भेंट करते हुए।

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार की सीमाएं खुली तो लौटी रौनक

संवाददाता देहरादून। तीन दिन बाद हरिद्वार जिले की सीमाएं खुलीं तो गंगा घाटों पर कुछ रौनक दिखाई दी। बता दें कि शनिवार और रविवार को लॉकडाउन व सोमवार को सोमवती अमवस्या के चलते हरिद्वार की सीमाएं सील गई थीं। मंगलवार को हर की पैड़ी पर गंगा में डुबकी लगाकर पूजा पाठ किया। वहीं लोग अस्थि विसर्जन के लिए भी पहुंचे। प्रशासन की वेबसाइट पर पंजीकरण कराने पर अब एक दिन में सिर्फ 1500 लोगों को ही आने की इजाजत मिलेगी। इसके बाद जिलाधिकारी विशेष परिस्थितियों में केवल पचास लोगों को अनुमति जारी कर सकेंगे।

24 अगस्त से शुरू होंगी श्रीदेव सुमन विवि की परीक्षाएं

संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड के सभी विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों की परीक्षाएं 24 अगस्त से 25 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं ऑफलाइन या ऑनलाइन कराने का विकल्प विश्वविद्यालयों को दिया गया है। वहीं, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या अधिक है। इसको देखते हुए अभी से तैयारियां की जा रही हैं। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीपी ध्यानी ने कहा कि 9 जुलाई को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के अधिकारियों के साथ सरकार की बैठक हुई थी।

सुरक्षित महसूस करने पर ही खुलेंगे स्कूल

संवाददाता देहरादून। कोरोना महामारी के कारण राज्य में ही नहीं पूरे देश में स्कूल मार्च माह से बंद हैं। इसी को लेकर सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि जब हमें लगेगा कि देश कोरोना महामारी से सुरक्षित है और स्कूल बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए तैयार हैं तब इस पर फैसला लिया जाएगा। कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन है। जिसके बाद आम जनजीवन को पटरी पर लाने के लिए केंद्र सरकार ने गाइडलाइन तैयार की थी।

लॉक डाउन में बच्चों ने की प्रकृति से दोस्ती

संवाददाता देहरादून। जब नन्ने – नन्ने हाथ पौधों को रोपे और उनका लालन–पालन करें तो पौधे भी उन हाथों को अपना दोस्त समझते होंगे। खेलने कूदने की उम्र में कोई प्रकृति से इस प्रकार मोहित हो जाए कि सुबह शाम पेड़ पौधों से बाते करने लगे तो वाकई अचरज की बात है। यूं तो लॉकडाउन में सभी बच्चों ने घर पर खूब मस्ती की होगी। वीडियो गेम से लेकर मोबाइल इंटरनेट और न जाने क्या–क्या साधन मौजूद है आज बच्चों के लिए।

राज्य गठन के बाद सबसे बड़ा सुधारात्मक कदमः सीएम

सुधारात्मक कदम

■चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड पर उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागतः सीएम

■तीर्थ पुराहितों और पंडा समाज के हक हकूक पूरी तरह से सुरक्षित

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड पर माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की दृष्टि से बोर्ड का गठन किया गया है। पिछले वर्ष 36 लाख श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आए। आने वाले समय में इसमें बहुत वृद्धि होने की सम्भावना है। इसलिए इतनी बड़ी संख्या मे आने वाले यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। माननीय उच्च न्यायालय ने एक तरह से राज्य सरकार के निर्णय पर अपनी मुहर लगाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि तीर्थ पुरोहित और पण्डा समाज के लोगों के हक हकूक और हितों को सुरक्षित रखा गया है। जहां भी धर्म और संस्कृति का विषय होता है, वहां परम्पराओं का बहुत महत्व है। हमने चारधाम के संबंध में सभी परम्पराओं का बनाए रखा है। सैंकड़ों सालों से स्थानीय तीर्थ पुरोहितों और पण्डा समाज ने चारधाम की पवित्र परम्पराओं का संरक्षण किया है। विपरीत परिस्थितियों के होने पर भी दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं का ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं देखा है कि बरसात में रास्ते बंद हो जाने पर किस प्रकार तीर्थ पुराहितों ने श्रद्धालुओं के रूकने, खाने आदि की व्यवस्था की है। इसी भावना के कारण उत्तराखण्ड को देवभूमि का मान मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ पुराहितों ने यहां की परम्पराओं का संरक्षण किया है और देवभूमि का मान बढ़ाया है, उनके हितों की रक्षा, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चारधाम देवस्थानम बोर्ड को लेकर किसी प्रकार का संशय नहीं होना चाहिए। राज्य गठन के बाद चारधाम देवस्थानम बोर्ड का गठन सबसे बड़ा सुधारात्मक कदम है। उच्च न्यायालय के निर्णय को किसी की जीत हार से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह राजनीतिक विषय नहीं है। आने वाले समय में चारधाम देवस्थानम बोर्ड, चारधाम यात्रा के प्रबंधन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने फिल्म निर्माता निर्देशक से भेंट की

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में फिल्म निर्माता एवं निर्देशक विशाल भारद्वाज एवं रेखा भारद्वाज ने भेंट की। विशाल भारद्वाज ने कहा कि उत्तराखण्ड फिल्म निर्माण के लिए फिल्म निर्माताओं एवं अभिनेताओं को आकर्षित कर रहा है।

उत्तराखण्ड का प्राकृतिक सौन्दर्य एवं देवभूमि का स्वरूप लोगों को बहुत आकर्शित करता है। उन्होंने कहा कि राज्य से फिल्म के क्षेत्र में लोगों को लाने के लिए फिल्म एजुकेशन की ओर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि उत्तराखण्ड में भी एफटीआई की तर्ज पर कोई इंस्टीट्यूट खोला जाये तो, यहां के युवाओं का भविष्य फिल्म के क्षेत्र में उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि लोगों का फिल्म जगत में कार्य करने के लिए रूझान बढ़े इसके लिए राज्य में किसी यूनिवर्सिटी में फिल्म प्रोडक्शन और फिल्मों से संबंधित सभी जानकारियों के लिए कक्षाएं शुरू की जाये तो इसके आने वाले समय में काफी सकारात्मक परिणाम होंगे। उन्होंने उत्तराखण्ड में फिल्म फेस्टिवल करने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि राज्य में फिल्मकारों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए फिल्म पॉलिसी बनाई गई है।

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन निर्माण कार्य में लाए तेजी

निर्देश

■ मुख्यमंत्री रावत ने दिए निर्देश

देहरादून। **संवाददाता**

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में रेल विकास निगम लि. के अधिकारियों से ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन निर्माण के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। 125.20 किमी की ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन में 12 स्टेशन बनाये जा रहे हैं। जिसमें कुल 105.47 किमी में 17 टनल बनाई जा रही हैं। ऋषिकेश में रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 01 सुरंग का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि 05 में निर्माण कार्य प्रगति पर है।

तीन प्रमुख रेलवे ब्रिज पर कार्य प्रारम्भ हो चुका है। जिन 3 ब्रिज पर कार्य शुरू किया गया है उनमें चन्द्रभागा नदी पर 300 मीटर का ब्रिज, लछमोली में अलकनन्दा नदी पर 275 मीटर का ब्रिज एवं श्रीनगर में अलकनन्दा पर 450 मीटर का ब्रिज शामिल है। शेष पुलों का कार्य टनल निर्माण के साथ ही किया जायेगा। श्रीनगर, गौचर एवं सिवाई (कालेश्वर)में एप्रोच रोड ब्रिजेज का कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि रेलवे लाइन निर्माण कार्य में और तेजी लाई जाय। किसी भी समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार की ओर से पूरा सहयोग दिया जायेगा। कार्यों में गुणवत्ता, गति एवं पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाय। उन्होंने कहा कि इस रेलवे लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद उत्तराखण्ड की जनता एवं राज्य में आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को काफी सुविधा होगी। सर्वे का कार्य मार्च 2018 से किया जा रहा था। इस प्रोजेक्ट में कुल 24 हजार करोड़ रूपये की लागत का अनुमान है। उत्तरकाशी से डोईवाला तक कुल 10 स्टेशन के लिए सर्वे किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रेल लाइन उत्तराखण्ड में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं कृषि बागवानी एवं स्थानीय उत्पादों की मार्केटिंग के लिए भी मददगार साबित होगी।

सड़कों की बदहाली को लेकर कांग्रेसियों ने लोनिवि के मुख्य अभियंता को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता देहरादून। राज्य के अनेक जनपदों उत्तरकाशी, पौड़ी की सड़कों, राजधानी देहरादून की सड़कों के विषय में तथा एनएच में प्रेमनगर में पुश्ता ढहने से हुए नुकसान के प्रभावितों को मुआवजा देने के संबंध में प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल एनएच के मुख्य अभियंता व पीडब्ल्यूडी के विभागाध्यक्ष हरि ओम शर्मा से मिला।

गढ़वाल के उत्तरकाशी की बड़कोट से यमुनोत्री तक की सड़क के खस्ता हाल, पुरोला की मियागड़ कुनारा मार्ग व कुनारा खरासा मार्ग के निर्माण, ऋषिकेश से देवप्रयाग तक आल वेदर रोड के काम में तेजी लाने, दून हरिद्वार के बीच एनएच पर चल रहे कार्य की कछुवा गति को तेज करने, ऋषिकेश बद्रीनाथ मार्ग में चल रहे कार्य में तेजी लाने, राजधानी देहरादून के अधिकांश ध्वस्त पड़े राष्ट्रीय राज मार्गों राज्य राज मार्गों व आंतरिक मार्गों के बारे में वार्ता कर मांग पत्र प्रेषित किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।